भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 5021

सोमवार, 23 मार्च, 2026/02 चैत्र, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

करौली में ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों का विकास

5021. श्री भजन लाल जाटव:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा करौली में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पंचना बांध, तिमनगढ़ किला, अंजनी माता मंदिर, कैलादेवी मंदिर तथा अन्य ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण, संरक्षण और विकास के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इन स्थलों के लिए कोई विशेष संरक्षण परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं और यदि हाँ, तो उक्त परियोजनाओं की प्रकृति, स्वीकृत निधि तथा उनके कार्यान्वयन की समय-सीमा का ब्यौरा क्या है; और

(ग) करौली और धौलपुर में स्थित इन स्मारकों और मंदिरों के आस-पास के क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाने तथा निवासियों के लिए स्वरोजगार के अवसरों को प्रोत्साहित करने के लिए क्या पहल की गई हैं/की जा रही हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटक गंतव्यों और पर्यटन उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय, 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)'- स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की एक उप-योजना, 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी जारी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के परामर्श से पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने उपर्युक्त योजनाओं के तहत राजस्थान राज्य में ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों सहित अनेक परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 में पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) के तहत राजस्थान राज्य में दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:

परियोजना का नाम	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रू. में)**
अंबर-नाहरगढ़ और आसपास के क्षेत्र में विकास	नवंबर 2024	49.31
जल महल में विकास	नवंबर 2024	96.61

पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्तावों की प्राप्ति एक सतत् प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है एवं निर्धारित शर्तों के अनुपालन एवं निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन ऐसी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

इन योजनाओं के तहत परियोजनाओं के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय परियोजनाओं की प्रगति की नियमित रूप से निगरानी करता है और संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए प्रोत्साहित भी करता है।

इन योजनाओं के तहत मंत्रालय संबंधित गंतव्यों पर स्थिरता और आजीविका के अवसरों में वृद्धि करने की दृष्टि से स्थानीय समुदायों की सह-भागीदारी सहित समुदाय-आधारित एवं उत्तरदायी पर्यटन पर बल देता है।

*****

अनुबंध

श्री भजन लाल जाटव द्वारा करौली में ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के विकास के संबंध में दिनांक 23.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 5021 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

राजस्थान राज्य में एसडी, एसडी 2.0 और प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्न प्रकार हैं: -

(करोड़ रू. में)

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि**	**स्थिति**
क	**स्वदेश दर्शन**			
i.	जयपुर जिले में सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	सितंबर 2015	50.01	पूर्ण
ii.	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास	सितंबर 2016	75.80	पूर्ण
iii.	आध्यात्मिक परिपथ - 'चूरू का विकास (सालासर) बालाजी)-जयपुर (श्री समोदके) बालाजी, घटके बालाजी, बांधेकेबालाजी)-विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर)-भरतपुर (कामा क्षेत्र)- धौलपुर(मुचकुंद)- मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	मार्च 2017	87.05	पूर्ण
iv.	विरासत परिपथ राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले में अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग -आई- नीलोफर और पुरानी) छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी) कोठी का विकास	जून 2017	70.61	पूर्ण
ख	**स्वदेश दर्शन 2.0**			
i.	आध्यात्मिक अनुभव, केशवरायपाटन	फरवरी 2024	21.65	जारी
ii.	खाटू श्याम जी मंदिर (सीकर) में विकास कार्य	मार्च 2025	87.87	जारी

iii.	करणी माता मंदिर, बीकानेर में विकास कार्य	जुलाई 2025	22.58	जारी
iv.	मालासेरी डूंगरी, भीलवाड़ा जिला का विकास	जुलाई 2025	48.73	जारी
ग	**प्रशाद**			
i.	पुष्कर /अजमेर का एकीकृत विकास	अक्टूबर 2015	32.64	पूर्ण

*****